

उत्तरांचल शासन  
वित्त कर एवं निवन्धन विभाग  
सं० 8222 /वि० क्र० नि०/2-2001/2000-2001  
देहरादून: दिनांक 25 जुलाई 2001

विज्ञप्ति

चूँकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा करना समीचीन है।

अतएव, अब, साधारण खण्ड अधिनियम 1897 (अधिनियम 10 ऑफ 1897) सफटिल केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 (अधिनियम 74 ऑफ 1956) की धारा 8 की उपधारा (5), के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके महामहिम राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृत प्रदान करते हैं कि दिनांक 25 जुलाई 2001 से, किसी औद्योगिक निर्माता इकाई जिसका की मुख्य व्यापार स्थल उत्तरांचल में हो, द्वारा, ऐसे मुख्य व्यापार स्थल से अन्तर्राज्यीय व्यापार एवं वाणिज्य के दौरान किसी माल, जिस पर उक्त धारा की उपधारा (1) लागू होती हो, की बिक्री करने पर उक्त धारा की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित शर्तों के अधीन, तथा फार्म-सी में घोषणा या फार्म-डी में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर, एक प्रतिशत की दर से कर देय होगा।

शर्तें

- (1) यह बिक्री ऐसी निर्माता इकाई द्वारा की गयी हो जिसका कि मशीन एवं संयंत्र में कुल पूंजी निवेश रुपये पाँच करोड़ या उससे कम हो, जिसे राज्य सरकार द्वारा इस आशय से गठित समिति द्वारा आकलित किया जायेगा।
- (2) यह बिक्री ऐसे निर्माताओं द्वारा की गयी है जो ट्रेडिंग व खनन इकाईयों से भिन्न हो।
- (3) यह बिक्री ऐसे निर्माताओं द्वारा की गयी हो जो मोतारियर के निर्माण व बिक्री की इकाईयों से भिन्न हो।
- (4) यह बिक्री ऐसे निर्माताओं द्वारा की गयी हो जो धान व चावल के निर्माण व बिक्री की इकाईयों से भिन्न हो।

(इन्दु कुमार पान्दे)  
सचिव वित्त